प्रेम की पीड़ा मीरा जाने | By Prashant Krishna Chaturvedi

प्रेम की पीड़ा मीरा जाने या जाने है राधा
राधा राधा कह ले प्राणी कट जायेगी बाधा
प्रेम की पीड़ा.....

प्रेम अमर है प्रेम अजर है
गंगा जल सी धारा
प्रेम से ऊँची नहीं ऊंचाई
प्रेम प्रभु को प्यारा
प्रेम नहीं बिन भाव प्रेम के
ये जीवन है आधा
राधा राधा कह ले प्राणी कट जायेगी बाधा
प्रेम की पीड़ा.....

प्रेम त्याग है प्रेम समर्पण
प्रेम भक्ति है पूजा
प्रेम मैं तन मन भक्ति में गुम
ऐसा प्रेम ना दूजा
मीरा दासी गिरधर प्रभुवर
ऐसो प्रेम अगाधा
राधा राधा कह ले प्राणी कट जायेगी बाधा
प्रेम की पीड़ा.....

प्रेम की ज्योति जगमग जगमग
नित नित होती बाकी
प्रेम की भाषा ऐसी जैसे
होती सूरज झांकी
मीरा के प्रभु गिरधर नागर
श्याम का प्रेम है राधा
राधा राधा कह ले प्राणी कट जायेगी बाधा
प्रेम की पीड़ा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%80%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-by-prashant/